सचिन सिन्हा एसीएस के पद पर होंगे पदोन्नत

- स्मिता भारद्वाज के सेवानिवृत्त होने से रिक्त होगा एसीएस का एक पद

प्रशासनिक संवाददाता

भोपाल, 28 मार्च. भारतीय प्रशासनिक सेवा के 1995 बैच के अधिकारी सचिन सिन्हा एक अप्रैल से अपर मुख्य सचिव के पद पर पदोन्नत होंगे. सिन्हा इस समय विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी सह महानिदेशक नरोन्हा प्रशासन अकादमी के पद पर पदस्थ हैं. उन्हें यहां 4 फरवरी 2025 को पदस्थ किया गया था, तब से लगातार यहां बने हुए हैं.

वहीं इसी माह अपर मुख्य सचिव स्मिता भारद्वाज सेवानिवृत्त हो रही हैं. 1992 बैच की अधिकारी श्रीमती भारद्वाज इस समय अध्यक्ष माध्यमिक शिक्षा मंडल मप्र भोपाल के पद पर पदस्थ हैं, उन्हें यहां 3 अक्टूबर 2024 को पदस्थ किय गया था. श्रीमती भारद्वाज के सेवानिवृत्त होने से अपर मुख्य सचिव का एक पद रिक्त होगा, जिस कारण सिन्हा को पदोन्नत होने का मौका मिल सकेगा. यहां बता दें कि वर्ष 1995 बैच एक मात्र ऐसा बैच है, जिसमें केवल एक आईएएस हैं. सिन्हा से पहले जनवरी में शिवशेखर शुक्ला को अपर मुख्य सचिव के पद पर पदोन्नत किया गया था, वे 1994 बैच के अधिकारी हैं. वहीं वर्ष 1995 बैच के सिन्हा के एसीएस पद पर पदोन्नत होने के बाद 1996 बैच के आईएएस अफसरों के एसीएस बनने की राह खुलेगी. इस बैच में डीपी आहुजा पहले अधिकारी होंगे, जो कि अभी प्रमुख सचिव सहकारिता विभाग के पद पर पदस्थ हैं, लेकिन उन्हें पदोन्नति के लिए मौजूदा मुख्य सचिव अनुराग जैन के रिटायरमेंट तक इंतजार करना होगा.

जैन 31 अगस्त को रिटायर होंगे, इस कारण मप्र में अपर मुख्य सचिव का एक पद रिक्त होगा, उसके बाद ही आहुजा को मौका मिलेगा, वैसे इस वर्ष अपर मुख्य सचिव स्तर के दो और अधिकारी रिटायर होंगे, लेकिन दोनों ही इस समय केंद्र में प्रतिनियुक्ति पर पदस्थ हैं, इनमें श्रीमती अलका उपाध्याय मई में रिटायर होंगी, वहीं आशीष श्रीवास्तव अक्टूबर में रिटायर होंगे.

ट्राइबल वेलफेयर टीचर्स एसोसिएशन पहुंचा सुप्रीम कोर्ट

बड़वानी, (नवभारत)। प्रदेश के लगभग दो लाख शिक्षकों में शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) को लेकर उत्पन्न गंभीर स्थिति के मद्देनजर मप्र ट्राइबल वेलफेयर टीचर्स एसोसिएशन ने अपने पक्ष की प्रभावी पैरवी के लिए पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट के सेवानिवृत्त मुख्य न्यायाधीश तथा जबलपुर हाई कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश रविशंकर झा को अधिवक्ता के रूप में नियुक्त किया है। संगठन के नाम से सुप्रीम कोर्ट में लगाई जाने वाली इस याचिका की पैरवी श्री झा करेंगे। ऐसे में जिले सहित प्रदेश के टीईटी परीक्षा से प्रभावित शिक्षकों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद अब बंधी है।

मध्यप्रदेश में बदला मौसम का मिजाज

- आंधी-बारिश का दौर तेज, 30 मार्च को असर बढ़ने के आसार
- साइक्लोनिक सर्कुलेशन और ट्रफ लाइन एक साथ सक्रिय

भोपाल , 28 मार्च. मध्यप्रदेश में मौसम ने एक बार फिर अचानक करवट ले ली है. प्रदेश में दूसरा मजबूत वेदर सिस्टम सक्रिय होने के कारण गर्मी के बीच आंधी, बारिश और गरज-चमक का दौर जारी है. मौसम विभाग के अनुसार आने वाले कुछ दिनों तक प्रदेश में ऐसा ही मिला-जुला मौसम बना रह सकता है, जबकि 30 मार्च को इसका प्रभाव और अधिक बढ़ने की संभावना जताई गई है.

मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक प्रदेश में साइक्लोनिक सर्कुलेशन और ट्रफ लाइन सहित कई सिस्टम एक साथ सक्रिय हैं. इनकी वजह से वातावरण में नमी बढ़ गई है, जिससे दिन में तेज गर्मी के बाद शाम होते-होते मौसम अचानक बदल रहा है. कई जिलों में तेज हवाओं के साथ बारिश दर्ज की जा रही है, वहीं कुछ स्थानों पर गरज-चमक की स्थिति भी बनी हुई है.

राजधानी भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर और सागर समेत कई जिलों में इस बदलाव का असर साफ देखा जा रहा है. कहीं हल्की तो कहीं मध्यम बारिश हो रही है, जबकि कई इलाकों में तेज हवा और बादलों का असर बना हुआ है. मौसम विभाग ने अनुमान जताया है कि 30 मार्च को प्रदेश के कई हिस्सों में तेज आंधी और बारिश का असर और बढ़ सकता है. इस दौरान कुछ स्थानों पर तेज हवाएं चलने और बिजली गिरने की भी संभावना है, जिससे लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है. मौसम में इस बदलाव के बीच तापमान में भी उतार-चढ़ाव जारी है. दिन के समय गर्मी का असर बना हुआ है और कई जिलों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के आसपास पहुंच रहा है. खजुराहो और नौगांव में अधिकतम तापमान 40 से 41 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया.

बस हादसा और रसोई गैस संकट पर सरकार पर विपक्ष का हमला

भोपाल, 28 मार्च. मध्यप्रदेश विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने शनिवार को छिंदवाड़ा बस हादसे और देशभर में जारी रसोई गैस संकट को लेकर राज्य एवं केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला. उन्होंने कहा कि ये घटनाएं प्रशासनिक विफलता और जनसुरक्षा की अनदेखी को उजागर करती हैं. प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए श्री सिंघार ने कहा कि 26 मार्च को छिंदवाड़ा-नागपुर मार्ग पर हुई बस दुर्घटना, जिसमें 10 लोगों की मौत और लगभग 40 लोग घायल हुए, शासन-प्रशासन की गंभीर लापरवाही का परिणाम है. उन्होंने आरोप लगाया कि दुर्घटनाग्रस्त बस मुख्यमंत्री मोहन यादव की सभा से लौट रही थी, जिससे कार्यक्रम में शामिल लोगों की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े होते हैं. साथ ही, उन्होंने यह भी मांग की कि महिलाओं को 'लाड़ली बहना योजना' के लाभ बंद करने की धमकी देकर कार्यक्रम में शामिल कराने के आरोपों की जांच कराई जाए. उन्होंने पुलिस प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान के आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में मध्यप्रदेश देश में दूसरे स्थान पर है.

एलपीजी, पेट्रोल और डीजल का स्टॉक उपलब्ध

कालाबाजारी के विरुद्ध सख्त कार्रवाई : गोंविद राजपूत

भोपाल, 28 मार्च. खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने कहा है कि मध्यप्रदेश में एलपीजी, पेट्रोल और डीजल का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है तथा इनके वितरण में किसी प्रकार की कमी या बाधा नहीं है.

उन्होंने बताया कि देश की सभी रिफाइनरियां पूरी क्षमता से कार्य कर रही हैं और कच्चे तेल का भंडार भी पर्याप्त है, जिससे ईंधन आपूर्ति में किसी प्रकार की रुकावट नहीं आएगी। मंत्री श्री राजपूत ने बताया कि प्रदेश में पेट्रोलियम उत्पादों की उपलब्धता की स्थिति सामान्य है और सभी ऑयल कंपनियों के पास पेट्रोल और डीजल का पर्याप्त भंडार मौजूद है। पेट्रोल पंपों पर भी ईंधन की किसी प्रकार की कमी नहीं है तथा कंपनी के डिपो से पेट्रोल और डीजल की लगातार आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है।

रसोई गैस की उपलब्धता पर्याप्त : मंत्री श्री राजपूत ने बताया कि एलपीजी बॉटलिंग प्लांटों में पर्याप्त स्टॉक बनाए रखा गया है।

उपभोक्ताओं की जरूरतों को पूरा करने के लिए सभी प्लांट अतिरिक्त समय तक कार्य कर रहे हैं, जिससे किसी भी स्थिति में रसोई गैस की उपलब्धता प्रभावित न हो।

प्रदेश में ईंधन की बढ़ती मांग को ध्यान में रखते हुए सभी सप्लाई लोकेशन को अधिक समय तक संचालित किया जा रहा है, जिससे आपूर्ति को सुचारु बनाए रखते हुए स्थिति को सामान्य रखा जा सके.

यात्रियों के लिए एक स्मार्ट और उपयोगी डिजिटल सुविधा

भोपाल, 28 मार्च. रेलवन एप यात्रियों के लिए एक आधुनिक और उपयोगी डिजिटल सुविधा के रूप में तेजी से लोकप्रिय हो रहा है. भारतीय रेलवे द्वारा शुरू किया गया यह एप विभिन्न रेल सेवाओं को एक ही प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध कराकर यात्रा को आसान और सुविधाजनक बनाता है.

इस एप के जरिए यात्री ट्रेन से जुड़ी कई जरूरी जानकारियां आसानी से प्राप्त कर सकते हैं. इसमें टिकट बुकिंग, पीएनआर स्टेटस, लाइव ट्रेन रनिंग स्टेटस, प्लेटफॉर्म नंबर और अन्य महत्वपूर्ण सूचनाएं शामिल हैं. उपयोगकर्ता के अनुकूल इंटरफेस के कारण यह एप सरल, तेज और सुरक्षित सेवाएं प्रदान करता है, जिससे यात्रियों को बार-बार अलग-अलग प्लेटफॉर्म पर जाने की आवश्यकता नहीं पड़ती.

भोपाल मंडल ने यात्रियों से अपील की है कि वे डिजिटल सेवाओं को अपनाएं और इस एप का अधिक से अधिक उपयोग करें. इससे न केवल समय की बचत होगी, बल्कि यात्रा भी अधिक व्यवस्थित और आरामदायक बनेगी. रेल प्रशासन लगातार तकनीकी नवाचारों को बढ़ावा दे रहा है, ताकि यात्रियों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें. रेलवन एप इसी दिशा में एक अहम कदम है, जो डिजिटल इंडिया की पहल को मजबूत करते हुए रेल सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार ला रहा है.

मंत्रालय के गलियारे से

कन्हैया लोधी

मुलाकात हुई, जाने क्या बात हुई

पिछले दिनों मंत्रालय की पांचवीं मंजिल में विपक्षी दल कांग्रेस के दो दिग्गजों ने एक ताकतवर अफसर के साथ बंद कमरे में लंबी गुफ्तगु की. इस लंबी मुलाकात के दौरान माहौल हलका बना रहा और चाय की चुस्कियों का दौर चलते रहा. ये दोनों ही नेता फिलहाल हाशिये में चल रहे हैं, एक ने तो पिछले दिनों एक बड़ी जिम्मेदारी से इस्तीफा ही दे दिया था, वहीं दूसरे नेताजी को भी संगठन में पूरी तवज्जो नहीं मिल रही है. ऐसे में इस मुलाकात के मायने निकाले जा रहे हैं. ये मुलाकात इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि विपक्ष के इस कद्दावर नेता के पाला बदलने को लेकर अटकलें भी लग रही है. अब ये तो अंदर की बात है... मुलाकात हुई... जाने क्या बात हुई.

दीया तले अंधेरा

प्रदेश के एक ताकतवर मंत्री दीया तले अंधेरा वाली कहावत को चरितार्थ कर रहे हैं. एक ऐसा क्षेत्र जहां उनका जबर्दस्त दखल है और उनके एक प्रिय प्रोजेक्ट ने आकार लिया है, वहां के आम लोग एक अदद डॉक्टर के लिए तरस रहे हैं. बताया जा रहा है कि यहां आश्वासन की कोई कमी नहीं रही, लेकिन मंत्रीजी के आश्वासन केवल हवा-हवाई ही साबित हुए. सबसे बड़ी बात ये कि वे विभाग को लीड भी करते हैं. अब गृह क्षेत्र का ये हाल है तो फिर प्रदेश के बाकी हिस्सों में पकड़ का सहज ही अनुमान लगाया जा सकता है.

फावड़ा, गेती चलाते दिखे मंत्रीजी

प्रदेश के एक कद्दावर मंत्री जी पिछले दिनों राज्य सरकार के एक अभियान के सिलसिले में श्रमदान के लिए सीधे ग्राउंड जा पहुंचे. बस फिर क्या था, गेती, फावड़ा लेकर जमीन की खुदाई करने लग गए. वैसे तो मंत्री सामान्य तौर पर प्रतीकात्मक तरीके से ही श्रमदान करते हैं, लेकिन मंत्रीजी रुकने का नाम नहीं ले रहे थे और तो और साहब कुर्ता-पाजामा छोड़ सीधे बरमुडा यानी हॉफ पेंट पर मोर्चे में डटे रहे. उनके इस अथक श्रमदान की जितने लोग उतनी बातें... होती रही. कुछ का कहना था कि मंत्रीजी का सरकार में ज्यादा मन नहीं लग रहा है, इसलिए वे कोई और राह पकड़ सकते हैं. अब उनके मन की तो वे ही जानें, हम क्या कहें?

.....और आग बुझाने लग गए राज्य मंत्री जी

पिछले दिनों एक राज्य मंत्री महोदय क्षेत्र के प्रवास पर जा रहे थे, देखा कि एक महिला अपने खेत में लगी आग को बुझाने के लिए चिल्ला रही थी. साहब ने काफिला रुकवाया और सीधे गेहूं के खेत जा पहुंचें और आग बुझाने का जतन करने लगे. बस फिर क्या था कि उनकी इस कर्मठशीलता का वीडियो भी बनने लगा. बाद में इसे क्षेत्र में जमकर प्रचारित किया गया कि देखो साहब कितने संवेदनशील हैं. वैसे उनके महकमे के क्षेत्र में आग लगने का सीजन भी शुरू हो गया है, हो सकता है कि उनके ग्राउंड जीरो के अनुभव महकमे के कुछ काम आए.

स्वत्वाधिकारी रामगोपाल इन्वेस्टमेंट प्रा. लि. हेतु लेसी एंगेज मीडिया प्रा.लि. के लिए आशीष श्रोती द्वारा 3, इंदिरा प्रेस कॉम्प्लेक्स, रामगोपाल माहेश्वरी मार्ग, महाराणा प्रताप नगर, जोन-1, भोपाल से प्रकाशित एवं नवभारत प्रेस भोपाल प्रा.लि., इंदिरा प्रेस कॉम्प्लेक्स से मुद्रित. संपादक दिलीप झा*, *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत जिम्मेदार, फोन-4939198, ईमेल-bhopalnav@gmail.com RNI Reg. No. 35046/56 डाक पंजीयन क्रमांक M.P/B.P.L/711/2012-14